

तकनीकी शिक्षा के प्रति जागरूक हों

छात्र : के विश्वा

हुसैनाबाद। जेवाइएसएस के एजुकेशन सेल के तत्वावधान में हुसैनाबाद के बच्चों उच्च विद्यालय में दिवंगत प्रकार प्रशिक्षण टेस्ट का आयोजन किया गया। इस स्कॉलरशिप टेस्ट में लगभग 2000 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस स्कॉलरशिप टेस्ट के माध्यम से चयनित होने वाले 50 छात्रों को 50,000 रुपए तक की स्कॉलरशिप राशि दी जाएगी। ज्ञानरुद्ध युवा स्थानीय संगठन के प्रमुख के विश्वा ने बताया कि इस तरह कार्यक्रम और आयोजन से छात्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना जगती है और इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण छात्रों को तकनीकी शिक्षा के प्रति जागरूक करना हमारा लक्ष्य है। इन्होंने वाले समय में इस तरीके का

कार्यक्रम और होंगे जेवाइएसएस के एजुकेशन सेल के प्रदेश अध्यक्ष अभ्यु कुमार सिंह ने कहा कि इस स्कॉलरशिप टेस्ट के माध्यम से 50 छात्रों को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए 50,000 रुपए तक की स्कॉलरशिप राशि मुहूर्हा कराइ जाएगी ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी शहरी छात्रों की तरह तकनीकी शिक्षा ले पाए। इस स्कॉलरशिप सफल संचालन दीपक कुमार मेहता, पवन शर्मा, अंकित श्रीवास्तव, संजीत कुमार, पंकज कुमार सिंह, दीपक कुमार, जयप्रकाश शर्मा, पुनम कुमारी, सुधा कुमारी, अंशु केरसरी, ओमप्रकाश कुमार, सत्यम कुमार सहित जेवाइएसएस एकुकेशन सेल के सभी कार्यक्रमों का योगदान सराहनीय रहा।

दुर्गा पूजा के सफल आयोजन को लेकर कमेटी गठित

मेदिनीनगर। विश्रामपुर प्रखण्ड के केतात गांव स्थित दुर्गा मंडप के प्रांगण में दुर्गा पूजा के सफल आयोजन को लेकर एक बैठक किया गया। जहां सर्वसमिति से अल्प फिशोर घोबे को दुर्गा पूजा कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया। वहाँ शान्तनु कुमार घोबे, मनोज घोबे, कश्यग घोबे, अनिषेष कुमार घोबे, तेजरसी घोबे, लक्ष्मीकात घोबे व सुमाय घोबे को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। रोश शंकर घोबे उर्फ़ सेंट घोबे व अधिषेष घोबे गोलेन घोबे को सम्मानित किया गया। जबकि कांप संचालन की प्रियंगारी प्रेषिणी घोबे, विकानद घोबे को सौंपी गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि कमेटी अपने सहयोग के लिए अन्य समिति का गठन करेगी। साथ ही सभी को जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। पूजा उत्तम के अंतर्सर पर प्रतिवर्तन कार्यक्रम की आयोजन करेगी। इसके लिए कमेटी द्वारा विद्यालय का प्रवर्तन कर्ता की जावाहरी दी गई है। भय तरीके से दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन हो इसे लेकर कमेटी सर्वसमिति से नियम ले सकती है। इसके लिए उन्हें प्राधिकृत किया गया है। कमेटी के अध्यक्ष सहित अन्य सदस्यों ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी बच्चों के लिए प्रतिवर्तीय का आयोजन होगा। बहरत करने वाले बच्चों को दुर्गा पूजा कमिटी की ओर से सभी को सम्मानित की जाएगी।

प्रेम कुमार गुप्ता बने उपमुखिया संघ के अध्यक्ष

मेदिनीनगर। वैनुर में उपमुखिया संघ का गठन किया गया।

जिसमें प्रबंधक के सभी पंचायतों के उप मुखिया शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता सलतुरा पंचायत की उप मुखिया मीना घोबे ने की तथा संचालन भाजपा मंडल संचालक भीष्म घोबे सुरक्षा तथा परामर्शदाता अंकुर घोबे, अनिषेष घोबे, तेजरसी घोबे को सौंपी गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि कमेटी अपने सहयोग के लिए अन्य समिति का गठन करेगी। साथ ही सभी को जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। पूजा उत्तम के अंतर्सर पर प्रतिवर्तन कार्यक्रम की आयोजन करेगी। इसके लिए कमेटी द्वारा विद्यालय का प्रवर्तन कर्ता की जावाहरी दी गई है। भय तरीके से दुर्गा पूजा के लिए सहयोग करने के लिए अन्य समिति का गठन करेगा। उन्होंने उपस्थित कार्यक्रमों से नियमित किया गया। इसके लिए उन्हें उपर्युक्त किया गया है। इसके लिए अन्य सदस्यों ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी बच्चों के लिए प्रतिवर्तीय का आयोजन होगा। बहरत करने वाले बच्चों को दुर्गा पूजा कमिटी की ओर से सभी को सम्मानित की जाएगी।

वनवासी कल्याण केंद्र की कार्ययोजना पर हुई चर्चा

मेदिनीनगर। वनवासी कल्याण केंद्र के रांची महानगर ईकाई के कार्यकारिणी सदरय बींबन झा ने कहा कि किसी भी संगठन को जीवन बनाये रखने के लिए जेनसर्पेंट कार्यक्रम हमत्वपूर्ण होता है। वे रिपोर्ट को राजाकार समिति भवन में वनवासी कल्याण केंद्र की मेदिनीनगर नगर ईकाई की बैठक में खांसेवों को प्रत्रासहित करते हुए कार्य योजना पर चर्चा कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता नगर महानगर पांडेव व संचालन नगर सचिव सोलोम कुमार ने किया। बींबन झा ने नगर कमेटी के सदस्यों से नगर में चलाये जा रहे गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि विदेशी अपने संपर्कित लोगों की सूची तैयार करें। इसके बाद सभी को अनुसार घर पर जाकर मिले।

चलाया गया एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

मेदिनीनगर। अपाराध नियंत्रण को लेकर रविवार को कोयल नदी पुल पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस क्रम में दर्जनों छात्र एवं बड़े वाहन की जांच करते हुए कहा है कि सरकारी चापाकल को कब्जा कर लेने से आहत हुसैनाबाद अनुमंडल के अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष अंकुर प्रसाद घोबे ने की। बैठक में सूनील गुप्ता को उपाध्यक्ष, कासिसरा परायत के उप मुखिया पूर्ण घोबे सुरक्षा योग्य की जिम्मेदारी दी गई। इसके लिए उन्हें उपर्युक्त किया गया। गोलेन घोबे को आयोजन करने की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में बुलेट गोलेन घोबे को सम्मानित की जाएगी।

तरहसी में नावालिंग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मेदिनीनगर। पलामू जिले के तरहसी निवासी राजदेव राम की 15 वर्षीय पुरुषी ने रिहायर की सुख में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। भूतक के शब को मेदिनीनगर शहर थाने की पुलिस ने कहा कि लेकर मेदिनीनगर के मेदिनी राय भेड़कल कांडन अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद उस परिजनों को सौंप दिया है। उक्तका की माने जाने के बाद उसी वर्षीय वर्षीय घोबे की जांच करने के लिए दर्जनों घोबे ने दर्शन तोड़कर घर के अंदर गई। जहां अपनी नावालिंग बेटी का शव रसीद बने गए फंडे से लटका देखा।

परता में लाभुकों को मिला सोबरन धोती साड़ी

हुसैनाबाद। प्रखण्ड के परता पंचायत के बहिराक कला गांव में जन विद्यालय प्रणाली दुकानदार विजेन्द्र सिंह के प्रतिवर्तन पर सोना सोबरन योजना के तहत धोती साड़ी व लूपी का वितरण की गयी। परतु कोई जीवान नहीं मिला। वहाँ में परिजनों के सहयोग से दरवाजा तोड़कर घर के अंदर गई। जहां अपनी नावालिंग बेटी का शव रसीद बने गए फंडे से लटका देखा।

परता में लाभुकों को मिला सोबरन धोती साड़ी

हुसैनाबाद। प्रखण्ड के परता पंचायत के बहिराक कला गांव में जन विद्यालय प्रणाली दुकानदार विजेन्द्र सिंह के प्रतिवर्तन पर सोना सोबरन योजना के तहत धोती साड़ी व लूपी का वितरण की गयी। परतु कोई जीवान नहीं मिला। वहाँ में परिजनों के सहयोग से दरवाजा तोड़कर घर के अंदर गई। जहां अपनी नावालिंग बेटी का शव रसीद बने गए फंडे से लटका देखा।

हुसैनाबाद। प्रखण्ड के परता पंचायत के बहिराक कला गांव में जन विद्यालय प्रणाली दुकानदार विजेन्द्र सिंह के प्रतिवर्तन पर सोना सोबरन योजना के तहत धोती साड़ी व लूपी का वितरण की गयी। परतु कोई जीवान नहीं मिला। वहाँ में परिजनों के सहयोग से दरवाजा तोड़कर घर के अंदर गई। जहां अपनी नावालिंग बेटी का शव रसीद बने गए फंडे से लटका देखा।

हुसैनाबाद। प्रखण्ड के परता पंचायत के बहिराक कला गांव में जन विद्यालय प्रणाली दुकानदार विजेन्द्र सिंह के प्रतिवर्तन पर सोना सोबरन योजना के तहत धोती साड़ी व लूपी का वितरण की गयी। परतु कोई जीवान नहीं मिला। वहाँ में परिजनों के सहयोग से दरवाजा तोड़कर घर के अंदर गई। जहां अपनी नावालिंग बेटी का शव रसीद बने गए फंडे से लटका देखा।

हुसैनाबाद। प्रखण्ड के परता पंचायत के बहिराक कला गांव में जन विद्यालय प्रणाली दुकानदार विजेन्द्र सिंह के प्रतिवर्तन पर सोना सोबरन योजना के तहत धोती साड़ी व लूपी का वितरण की गयी। परतु कोई जीवान नहीं मिला। वहाँ में परिजनों के सहयोग से दरवाजा तोड़कर घर के अंदर गई। जहां अपनी नावालिंग बेटी का शव रसीद बने गए फंडे से लटका देखा।

हुसैनाबाद। प्रखण्ड के परता पंचायत के बहिराक कला गांव में जन विद्यालय प्रणाली दुकानदार विजेन्द्र सिंह के प्रतिवर्तन पर सोना सोबरन योजना के तहत धोती साड़ी व लूपी का वितरण की गयी। परतु कोई जीवान नहीं मिला। वहाँ में परिजनों के सहयोग से दरवाजा तोड़कर घर के अंदर गई। जहां अपनी नावालिंग बेटी का शव रसीद बने गए फंडे से लटका देखा।

हुसैनाबाद। प्रखण्ड के परता पंचायत के बहिराक कला गांव में जन विद्यालय प्रणाली दुकानदार विजेन्द्र सिंह के प्रतिवर्तन पर सोना सोबरन योजना के तहत धोती साड़ी व लूपी का वितरण की गयी। परतु कोई जीवान नहीं मिला। वहाँ में परिजनों के सहयोग से दरवाजा तोड़कर घर के अंदर गई। जहां अपनी नावालिंग बेटी का शव रसीद बने गए फंडे से लटका देखा।

हुसैनाबाद। प्रखण्ड के परता पंचायत के बहिराक कला गांव में जन विद्यालय प्रणाली दुकानदार विजेन्द्र सिंह के प्रतिवर्तन पर सोना सोबरन योजना के तहत धोती साड़ी व लूपी का वितरण की गयी। परतु कोई जीवान नहीं मिला। वहाँ में परिजनों के सहयोग से दरवाजा तोड़कर घर के अंदर गई। जहां अपनी नावालिंग बेटी का शव रसीद बने गए फंडे से लटका देखा।

श्री बंशीधर नगर में मतदान केंद्रों पर

विशेष शिविर का किया गया आयोजन



श्री बंशीधर नगर। प्रखण्ड के सभी मतदान केंद्रों पर रविवार को विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थिति बीएलओं द्वारा मतदाताओं के अधार को मतदाता हावान पर से लिक किया गया। बीएलओं पर्यवेक्षकों द्वारा मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी बीएलओं मतदान केंद्र पर उपस्थित पाये गये।

सीढ़ी से गिरकर एक घायल

गढ़वा। मध्य थाना क्षेत्र के मोरवे गांव निवासी राधा राम का पुरु मुन्नी राम सीढ़ी से गिरकर घायल हो गया। उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के संबंध में बताया गया कि मुन्नी राम अंधेरे में राति घर से निकाल कर बाहर जा रहा था। इसी दौरान सीढ़ी से टकरा गया इसी क्रम में गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजन द्वारा उसे सदर अस्पताल लाया गया।

नोटरसाइकिल दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

गढ़वा। नगर उंटारी मार्ग पर रविवार को मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति नगर उंटारी थाना नारखोरिया गांव निवासी विश्वनाथ महतो का पुत्र नक्कड़ी महतो बताया गया है। घटना के संबंध में बताया गया कि नक्कड़ी महतो गढ़वा से अपने घर की ओर मोटरसाइकिल से लौट रहा था। इसी दौरान नामधारी कॉलेज के पास डिस ब्रेक मारने से उसकी मोटरसाइकिल अनियन्त्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया घटना के बाद राहगीर के द्वारा उसे उतारकर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पालहे गांव में महिला ने जहर खाकर की आत्महत्या



विनीय। थाना क्षेत्र के पालहे गांव निवासी ओमप्रकाश कोरवा उर्फ जयराम कोरवा की पत्नी उम्र 32 वर्ष ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली है। घटना के संबंध में विनीय प्रभारी थाना प्रभारी दियानंद कुमार ने बताया कि प्रदूष दृष्ट्या जहर खाकर आत्महत्या की घटना लग रही है वैसे पुलिस होकर फहलू की गहनता से जांच कर रही है उधर मौके पर पहुंचे विनीय पुलिस सब इंस्पेक्टर गुरुशंखर से दिया अपने दल वल के साथ शब्द यात्रा को अंतर्गत बदल दिया। विनीय पुलिस द्वारा घटना के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती की गयी है।

मधुबन गांव में झानुमो केंद्रीय समिति सदस्य ने नारी-समिति सदस्य को आत्महत्या की घटना को आधार को लिंक करने की अपील की

समिति सदस्य ने मधुबन गांव पहुंचकर ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

सिंडेगा। रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा सिंडेगा के केंद्रीय समिति सदस्य मोहम्मद शाहिं के द्वारा जिला सिंडेगा के सदर प्रखण्ड सिंडेगा के बंगल पंचायत के मधुबन गांव का सघन दौरा किया। मधुबन के ग्रामीणों ने अपनी अपनी समस्याओं को बारी बारी से बैठक में केंद्रीय समिति सदस्य के सामने लाया। ग्रामीणों ने कहा की लगाया 3 मील से गांव की 63 केंद्रीय दूसरामर्त दूसरामर्त लोगों की एक नई सुधि लेने के लिए इस गांव में कोई नहीं आया। ग्रामीणों को काफी परेजानी हो रहा है। ग्रामीणों ने बैठक में टूंसुकामर्त लगाने पर जोर दिया। बैठक को संसोचित करते हुए केंद्रीय समिति सदस्य ने आश्वासन दिया कि आप लोगों का समस्या का काम झारखंड मुक्ति मोर्चा करेगा। आप लोगों का समस्या का सघन धारा ने ग्रामीणों को एक झारखंड सरकार के जन कल्याणकारी नारों के बारे में केंद्रीय सदस्य मोहम्मद शाहिं ने विवासन से ग्रामीणों को बालाका द्वारा निरीक्षण किया। आंदोलनकारी मोर्चा के प्रमुख भूमेश्वर नेपाली के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भी ग्रामीणों को आधार को लिंक करने की अपील की है। आधार को लिंक करने की अपील की है।

मधुबन गांव में झानुमो केंद्रीय समिति सदस्य ने नारी-समिति सदस्य को आत्महत्या की घटना को आधार को लिंक करने की अपील की

पहुंचकर ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

सिंडेगा। रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा सिंडेगा के केंद्रीय समिति सदस्य मोहम्मद शाहिं के द्वारा जिला सिंडेगा के सदर प्रखण्ड सिंडेगा के बंगल पंचायत के मधुबन गांव का सघन दौरा किया। मधुबन के ग्रामीणों ने अपने-अपने समस्याओं को बारी बारी से बैठक में केंद्रीय समिति सदस्य के सामने लाया। ग्रामीणों ने अपने-अपने समस्याओं को आधार को लिंक करने की अपील की है।

कुसुनगढ़ा स्थित पल्ली में धूमधान से नानाया गया संत मोनिका पर्व

टेटाइंगर। प्रखण्ड के कुसुम बैडा स्थित पल्ली में रविवार को धूमधान के साथ सत मोनिका पर्व का आयोजन किया गया इस मौके पर अबाटोली, माधोलीटी, बासाहार, कुसुन बैडा के केंथोलिक समुदाय के मौजूदाओं में विशेष मिस्सा पूजा का आयोजन किया गया। मिस्सा पूजा मुख्य अनुष्ठान फादर मरियानुस एकवा का अगुवाई में हुई। इस मौके पर सहायक पुरोहित के रूप में फादर संजीव, फादर इस्टोर और फादर प्रधान पूर्ण उपस्थित रहे। फादर मरियानुस एकवा के अपने संबोधित करते हुए अपने-अपने परिवार को चिरत्स के विषयसंकेत द्वारा करते हुए अपने-अपने देवी देवत के द्वारा दिया गया। मिस्सा पूजा की अध्यक्ष ने बाबूल बालाका के द्वारा दिया गया गोपनीय नानाया गति किया। अपनी देवी देवता के द्वारा दिया गया गोपनीय नानाया गति किया। अपनी देवी देवता के द्वारा दिया गया गोपनीय नानाया गति किया।

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। गढ़वी जनता दल के जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष सूजूद सिंह के अध्यक्षता में जिला कार्यसमिति की बैठक की गई। इस बैठक में जिला के निर्वाचन पदाधिकारी फैज उल हक जो की उपस्थिति में जिला के संगठनात्मक चुनाव को लेकर विचार विरासत का 29 अगस्त से 2 किंतवर तक प्रखण्ड अध्यक्ष का चुनाव होगा। 6 सितंबर से 12 सितंबर तक जिला अध्यक्ष चुनाव होगा।

क्रम में चिनिया कांग्रेस के प्रखण्ड अध्यक्ष चंद्रिका यादव जी राष्ट्रीय जनता दल में आस्था रखते हुए पुनः अपने घर में वापसी की है। वहाँ लाल मोहम्मद सिंहदारी के द्वारा जिले में सम्मेलन कराया जाएगा और आपने वाले चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनता दल पूरे भाग के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में अधिकारी नियुक्त की जायेगा। एवं सभी को दिशा निर्देश दिया गया।

क्रम में चिनिया कांग्रेस के प्रखण्ड अध्यक्ष चंद्रिका यादव जी राष्ट्रीय जनता दल में आस्था रखते हुए पुनः अपने घर में वापसी की है। वहाँ लाल मोहम्मद सिंहदारी के द्वारा जिले में सम्मेलन कराया जाएगा और आपने वाले चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनता दल पूरे भाग के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में अधिकारी नियुक्त की जायेगा। एवं सभी को दिशा निर्देश दिया गया।

क्रम में चिनिया कांग्रेस के प्रखण्ड अध्यक्ष चंद्रिका यादव जी राष्ट्रीय जनता दल में आस्था रखते हुए पुनः अपने घर में वापसी की है। वहाँ लाल मोहम्मद सिंहदारी के द्वारा जिले में सम्मेलन कराया जाएगा और आपने वाले चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनता दल पूरे भाग के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में अधिकारी नियुक्त की जायेगा। एवं सभी को दिशा निर्देश दिया गया।

क्रम में चिनिया कांग्रेस के प्रखण्ड अध्यक्ष चंद्रिका यादव जी राष्ट्रीय जनता दल में आस्था रखते हुए पुनः अपने घर में वापसी की है। वहाँ लाल मोहम्मद सिंहदारी के द्वारा जिले में सम्मेलन कराया जाएगा और आपने वाले चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनता दल पूरे भाग के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में अधिकारी नियुक्त की जायेगा। एवं सभी को दिशा निर्देश दिया गया।

क्रम में चिनिया कांग्रेस के प्रखण्ड अध्यक्ष चंद्रिका यादव जी राष्ट्रीय जनता दल में आस्था रखते हुए पुनः अपने घर में वापसी की है। वहाँ लाल मोहम्मद सिंहदारी के द्वारा जिले में सम्मेलन कराया जाएगा और आपने वाले चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनता दल पूरे भाग के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में अधिकारी नियुक्त की जायेगा। एवं सभी को दिशा निर्देश दिया गया।

क्रम में चिनिया कांग्रेस के प्रखण्ड अध्यक्ष चंद्रिका यादव जी राष्ट्रीय जनता दल में आस्था रखते हुए पुनः अपने घर में वापसी की है। वहाँ लाल मोहम्मद सिंहदारी के द्वारा जिले में सम्मेलन कराया जाएगा और आपने वाले चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनता दल पूरे भाग के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में अधिकारी नियुक्त की जायेगा। एवं सभी को दिशा निर्देश दिया गया।

क्रम में चिनिया कांग्रेस के प्रखण्ड अध्यक्ष चंद्रिका यादव जी राष्ट्रीय जनता दल में आस्था रखते हुए पुनः अपने घर में वापसी की है। वहाँ लाल मोहम्मद सिंहदारी के द्वारा जिले में सम्मेलन कराया जाएगा और आपने वाले चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनता दल पूरे भाग के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में अधिकारी नियुक्त की जायेगा। एवं सभी को दिशा निर्देश दिया गया।

क्रम में चिनिया कांग्रेस के प्रखण्ड अध्यक्ष चंद्रिका यादव जी राष्ट्रीय जनता दल में आस्था रखते हुए पुनः अपने घर में वापसी की है। वहाँ लाल मोहम्मद सिंहदारी के द्वारा जिले में सम्मेलन कराया जाएगा और आपने वाले चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनता दल पूरे भाग के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में अधिकारी नियुक्त की जायेगा। एवं सभी को दिशा निर्देश दिया गया।

क्रम में चिनिया कांग्रेस के प्रखण्ड अध्यक्ष

अडानी समूह की 10 साल में 1,000 मेगावॉट के डाटा केंद्र खोलने की योजना

पण्डी (एजेंसी)। अडानी समूह की कंपनी अडानीकेनेस की योजना 10 साल में 1,000 मेगावॉट के डाटा केंद्र बनाने की है। यह देश में उत्थान के मौजूदा आकार का देगुना है। कंपनी के एक विशेष अधिकारी ने यह जानकारी दी। अडानीकेनेस के विशेष उपायक्षम एवं डाटा केंद्र कारोबार प्रभुत्व सज्जन भूमानो ने कहा कि कंपनी के पहले साल डाटा केंद्र सुन्दर, वर्नेंड, हैरदाबाद, दिल्ली, बैंगलुरु और पुणे में बनाए जाएंगे। भूमानो ने शिखरी को एक कार्यक्रम में कहा, द्वितीय 1,000 मेगावॉट के डाटा केंद्र बनाने रहे हैं। अभी उत्थान का आकार 550 मेगावॉट है। हमारी कारोबारी योजना अगले एक दशक में 1,000 मेगावॉट के डाटा केंद्र बनाने वाली है।" डाटा केंद्रों की क्षमता का आकलन उनके द्वारा खपान की जाने वाली बिजली के अधार पर किया जाता है। बाजार शोध कंपनी एरिजन के अनुसार, 2021 में भारत में डाटा केंद्रों का बाजार 447 मेगावॉट था। यह मूल्य के हिस्सा से 10.9 अरब डॉलर बैठता है। भूमानो ने बताया कि पहले साल डाटा केंद्र छह शहरों में स्थापित किए जाएंगे जिनकी क्षमता 450 मेगावॉट की होगी। ये अगले तीन साल में अस्तित्व में आएंगे। वहीं 550 मेगावॉट के अन्य डाटा केंद्र सुन्दरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में खोले जाएंगे।

जन-धन योजना वित्तीय समावेशन की दिशा में बड़ा कदम: सीतारमण

नवी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्वाचन सीतारमण ने रिवायर को कहा कि वित्तीय समावेशन समावैधी वृद्धि की तरफ बढ़ने वाला एक बड़ा कदम है जिससे समाज के सभी वर्गों का समग्र आर्थिक विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। सीतारमण ने प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमडीवाई) के आठ साल पूरे होने के मौके पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि बैंकिंग सेवा के दायरे से बाहर पीएमडीवाई की शुरुआत 28 अगस्त, 2014 को प्रधानमंत्री नन्देश मोदी की पहल पर हुई थी। इस योजना के तहत 46 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले थे। यहाँ तक कि जिनमें 1.74 लाख करोड़ रुपये का जामा है। सीतारमण ने कहा कि इस योजना की मदद से देश की 67 प्रतिशत ग्रामीण अबादी की पहुंच अब बैंकिंग सेवाओं तक हो चुकी है। इसके अलावा अब 56 प्रतिशत महिलाओं के पास भी जन-धन खाते हैं। वित्त मंत्री ने बयान में कहा, हाहायीप्पमैडीवाई को 2018 के बाद भी जारी रखने का फैसला देश में वित्तीय समावेशन के उपरत परिवर्शय करते रहने तथा वृद्ध भुवियाद मजबूत होने के बीच विदेशी निवेशकों ने अग्रस्त में शुद्ध रूप से 49,254 करोड़ रुपये डाले।

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अग्रस्त में आर्थिक शेयर बाजारों में जबर्दस्त निवेश किया है। पिछले महीने लंबे अंतराल के बाद एफपीआई शुद्ध लिवाल बने थे। कंपनियों के तिमाही नीतियों बहतर रहने तथा वृद्ध भुवियाद मजबूत होने के बीच विदेशी निवेशकों ने अग्रस्त में शुद्ध रूप से 49,254 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। डिपोजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिलती है। एक जुलाई में एफपीआई द्वारा किए गए 5,000 करोड़ रुपये के निवेश से कोई ऊँचा आंकड़ा नहीं है। लगातार नी माह तक बिकाल रहने के बाद जुलाई में एफपीआई छहली बार शुद्ध लिवाल बने थे। उनकी बिकाली का सिलसिला पिछले साल अवधूर्वर से शुरू होकर इस साल जून तक बाला इस दौरान उन्होंने 2.46 लाख करोड़ रुपये के शेयर खेते। विदेशी निवेशकों ने अपनी शेयरों की मध्य गोलदेटर के संस्थापक सदस्य विवेद बांका में कहा कि आगामी महीनों में एफपीआई का रुदाना काफी दह तक जिस कीमतों, भू-राजनीतिक घटनाक्रमों, कानूनियों के तिमाही नीतियों और फेडरल रिंजर के बायां दरों पर रुख से तर होगा। जियोजीत पाइनेशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिक वी के विजयकुमार ने कहा कि फेडरल रिंजर के वेयरमेन जेराम पावेल ने जैक्सन हाल में अत्यधिक आक्रमक रुख का संकेत दिया है। इससे धूम लू अवधि में भारतीय बाजारों में एफपीआई का प्राप्त ग्राहकित हो सकता है। डिपोजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से 26 अग्रस्त के दौरान भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 49,254 करोड़ रुपये डाले हैं।

सम्पादक की कलम से...

ਪ੍ਰਥਿਕਣ ਰਿਵਿਰ ਵ ਸਏਕਾਰ

पार्टी के कार्यकर्ता ही पार्टी के मूलधन हैं और इन्हें पार्टी के रीति-नीति, विचार, संस्कार की गहराई तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक है। उक्त बातें भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी सांसद दिलीप सौकिया ने प्रदेश भाजपा द्वारा मधुबन, गिरिडीह में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन करते हुए कही। यह सही है कि किसी भी पार्टी के लिए कार्यकर्ता काफी महत्वपूर्ण होते हैं। जहां कार्यकर्ताओं को सम्मान मिलता है, वहां पार्टी मजबूत होती है। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री आवास में राजनीतिक सरगर्मी जारी है। महागठबंधन के विधायक दल पिकनिक पॉलिटिक्स कर रहे हैं। ये सभी यह दिखाना चाहते हैं कि सभी विधायक एकजुट हैं। एक प्रकार से इस मामले में सीए हैमंत सोरेन सफल दिख रहे हैं। राजभवन पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। सभी विधायकों ने एक सुर में कहा कि सरकार चलेगी, महागठबंधन पूरी तरह से एकजुट है। उधर भाजपा सरकार की गतिविधियाँ पर पैनी नजर रखे हुए हैं। भाजपा का गैरवशाली भारत के अतीत के आधार पर व्यक्ति निर्माण, समाज परिवर्तन फिर राष्ट्र पुनर्निर्माण का कार्य जनसंघ से अब तक लगातार जारी रखे हुए है। इसके लिये प्रशिक्षण एक सतत प्रक्रिया है। जैसे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम आवश्यक है वैसे ही संगठन की मजबूती के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। कार्यकर्ताओं में मां भारती की सेवा का भाव अनवरत जागृत रहे, कभी किसी परिस्थिति में भटकाव न हो

अब्दुल कलाम जब
हमरे राष्ट्रपति थे, त
उन पर तो आपको ग
ही गर्व था। ए आर
रहमान का बदे मातरम आपके सुन
होगा। क्या उतना सुंदर बदे मातरम
कहीं और सुना है? बहन जी, जरा
सोचिये, अन्नता का विपरीत या
विलोम क्या है? समानता? हाँ तो
तो सही। लोकिन उसका एक और
विपरीत है - नीरस एकरसता।
भारत की खुबी नहीं, उसका
सौभाग्य है कि उसमें इतनी
विविधता है। जरा सोचिये बहन...
प्रयाग के इस्तेमाल में और
इलाहाबाद के प्रयोग में मैं भारत के
हिन्दुस्तान में और हिन्दुस्तान को
भारत में पाता हूँ। और दोनों को उ
झड़िया में, जिसमें हनुमान चाटीसार
के जिल्द नहें खान मजबूत बनाते
हैं और सलामत कबाड़ी
को एक लक्ष्मी-समान
महिला पानी देती है।

फ क कब नहीं रहे हैं हमारे समाज में, हमारे देश में हमेशा रहे हैं और रहेंगे। कोई भी ऐसा जमाना न होगा जब हम में भेद न थे। हम में भेद भावना न थी। हम ‘हम’ हैं भासाहब, और वे ‘वे’ हैं। उनके भोजन भिन्न है, उनके त्योहार भिन्न, उनकी हँसी, उनके मजाब भिन्न, उनके विश्वास भिन्न-पोशाक भिन्न, उनके कुरते अलग ‘टाइप’ के, पाजामों का ‘कट दूसरा, उनकी टोपियां तो भई साह ‘टीटली डिफेंट’। उनकी भाषा भिन्न, सोच अपनी, लेखन-पठन पाठन उनका अपना... और किसी कहने की जरूरत नहीं। हम ‘हम हैं, और वे ‘वे’।। उनके तौर-तरीके अलग, रहन-सहन अलग, लिवालिवा अलग, रंग अलग, हमारी आंखों में सूरमा, उनकी आंखों में काजल हमारी आस्तीनों में इत्र, उनके माझे पर चंदन। उनके गहने तो हमारे दिए हैं, जो हमें दिये गए हैं।

अलग। उंगलियों की अंगूठियाँ
अलग। उनकी मौसीकी अलग, सु-
अलग। कुल तवारीख उनकी अलग है।
कैलेंडर उनका अलग। महीने
अलग। साल अलग। सच पछें, तं-
हमारी और उनकी... क्या कहें...
संस्कृति भिन्न है। भाईं साहब
कहानी बिल्कुल अलग है उनकी
हमारी कहानी से। तो बहन जी यह
बतायें... आपने अपनी बच्चियों वे-
लहरे सिलने के लिए उस दर्जी कं-
नहीं दिये? जी दिये तो सही, अब्दुल
मियां को। और अपने पुराने शांत
रुप के लिए नहीं दिये? जी दिये ते-
कुदसिआ को... बहुत साफ का-
करती है। फिर भी, भिन्नता तं-
भिन्नता है ही... जब हनुमान
चालीसा की पुरानी कॉपी फट रह-
थी, तो क्या बाबूजी ने जिल्ला
मरम्मत के लिए नहीं दी थी? जी
नन्हे खान साहिब को दी थी और
उन्होंने काफी लगन से उस जिल्ला
को दुरुस्त किया था। तो सलाम
किए हैं, तो क्या कहें... तो क्या कहें...

उसी पंडित जी की दुकान से खरीदते हैं न? जी जनाब, बरसो से... बड़े शरीफ इंसान हैं रामदास शर्मा... मजाल है कि एक दाना भी दाल का कम पड़े जाय तोल में... और जब यह कोरोना चल रहा था, मुझसे दो-दो महीनों तक उन्होंने उधारी न लिए। और डॉक्टर साहब आपके? जनाब क्या बताऊं, बनजी डॉक्टर डॉक्टर नहीं, फरिश्ता हैं उनकी आंखों में जो रहमत है और हाथों में जो हुनर, खुदा की मेहरबानी है। और सलामत मियां बतलायें? आपकी दुकान जो है... रही की...। जी, उसको मैं रद्दोबदल की दुकान कहता हूँ। सौंरी सलामत मियां, तो रद्दोबदल की जो दुकान जो, उसमें आपको बिजनेस सबसे मिलती है न, न कि सिर्फ...? जी-जी जनाब... सबसे मिलती है... यह इलाका बिल्कुल हिंदू इलाका है इक्के-टुक्के मुसलमान मिलेंगे आपको यहां। बड़ी इज्जत से माल भेजें: - न तैयार हैं -

जाता। अलबत्ता, किसी ने न आने को कभी नहीं कहा। मगर मैं खुद संभल जाता हूँ... एक बार गर्मियों के दिन थे। जनाब, बड़ी प्यास लग रही थी। अंदर बहन जी ने देखा। बोली- ठहरिये। अंदर से एक गिलास ठंडा पानी ले आई। खिड़की पर रख दिया। जनाब, फ्रिज का पानी था। समझिये, मैं बस फिरदौस पहुँच गया। खुदा से मिन्नत की उन बहन जी को खुशियों के लिए लेकिन जनाब, मैं फर्क की जो बात कर रहा था, वह अपनी जगह। तो बहन जी, भिन्नता है। भिन्नता रहेगी। मैं स्वीकार करता हूँ, लेकिन भिन्नता से आपको समस्या क्यों हो रही है? क्या आप मैं और पूर्वोत्तर के समाज में भिन्नता नहीं? क्या आप जिसे संस्कृति कहती हैं, उसमें और दक्षिण की संस्कृति में भिन्नता नहीं? उनसे तो आपको कोई तकलीफ नहीं होती? अब्दुल कलाम जब हमारे राष्ट्रपति थे, तब

■ गोपालकृष्ण गांधी

ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਾਂ ਮੈਂ ਭੀ ਬਨਨੇ ਲਗੇ ਕੂਝ ਕੇ ਪਹਾੜੀ

अ जेंट्रा का शापू हा नाई इत्ता जड़ा शहर हाना, जहां राजन कपर रुक्का से परेशान न होगे। अब तो पहाड़ों में भी पहले वाली बात नहीं रही। उत्तराखण्ड में आप नैनीताल, रानीखेत या कौसानी की तरफ निकल जाएं, हम कुछ दूरी पर कूड़े का ढेर मिल जायेगा। कुछ समय पहले अल्मोड़ा रुक्का जागेश्वर धाम की तरफ जाने पर एक जगह कूड़े का नया पहाड़ नजर आया। बताया गया कि शहर का कचरा यहीं डाला जा रहा है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ शहर के आसपास ही कचरे का ढेर जमा हो रहा है। अब तो ज्यादा ऊँचावाली जगहों पर भी कचरे का ढेर आसपास के जंगल में आपको मिल जायेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, आदि कैलाश से सिर्फ चार महीनों में 500 किलोग्राम कचरा निकाला जा चुका है। बद्रीनाथ, केदारनाथ हो या फिर गंगेश्वी, सभी जगह कूड़े का ढेर मिल जायेगा। कहीं सामने, तो कहीं जंगल में किसी ढलापर। जब तीरथस्थल पर प्लास्टिक का कचरा बढ़ता जा रहा हो, तो फिर बाकि जगह का अंदराजा आसानी से लगाया जा सकता है। पहाड़ी सैरगाहों पर बड़ा संख्या में होटल खुल गये हैं। सरकार इन्हें बढ़ावा भी दे रही है, पर हजारों की संख्या में बने इन होटलों का कचरा कहां जाता है, यह चिंता न सरकार को है और न समाज को। कचरा ट्रीटमेंट प्लाट की सुविधा तो सरकार के पास हुंगामे की भेंट क्यों

हो जाता करने नज़र आता है, नए होटल उद्यग से जब उन्माद करें? नारा के सबसे ऊचे कचरे के पहाड़, गाजीपुर, दिल्ली में जितने कचरे को रोज निपटाया जाता है, उससे करीब 400 टन ज्यादा नया कचरा रोज आ जाता है। खैर, पहाड़ों में दिक्षित यह है कि सैलानी अपने साथ प्लास्टिक की बोतलें, पालियां और पैकेट फूड आदि लेकर चलते हैं और वह सब वे कचरे में छोड़ जाते हैं। फिर होटल रिसॉर्ट का काम शुरू होता है। सिर्फ एक सैलानी दिन भर में छह से आठ प्लास्टिक की बोतल इस्तेमाल करता है। हर होटल रिसॉर्ट रोज करीब दो-तीन सौ बोतल अन्य कचरे के साथ जंगल में फेंक आता है या फिर जलाता है। दोनों स्थितियों में प्रदूषण फैलता है। यह जेनरेटर से पैदा होने वाले प्रदूषण से अलग है। पहाड़ के छोटे से छोटे सैरगाहों पर बने चार से छह कमरे वाले होटल रिसॉर्ट भी बड़े-बड़े जेनरेटर रखते हैं। सौर ऊर्जा के इस दौर में भी सरकार ने क्यों इहें डीजल से चलने वाले जेनरेटर की इजाजत दे रखी है, यह समझ से परे है। जब आदि कैलाश दर्शन के लिए सैलानियों की भीड़ बढ़ रही हो, तब दूसरी जगह, कितनी भीड़ जा रही होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

— ८५४ —

हगामे का भट्ट क्यों ढढ़ते जा रहे हैं सदन
क्षेत्र की वर्तमान स्थिति को देखते हुए, उन्होंने अपने विचारों में बदलाव किया।

विधानसभाओं की लाइब्रेरी सांसदों और विधायकों से गुलजार रहती थी। जनप्रतिनिधि जनहित के मुद्दों को उठाने के लिए तैयारियां करते थे। सांसद नीलोत्पल बसु, गुरुदास दासगुप्ता, संघ प्रिय गौतम सहित बड़ी संख्या में ऐसे सांसद थे, जो अपने बड़े से बड़े काम छोड़कर भी संसद की बैठक में आते थे क्योंकि उनके लिए वही महिंद्रथा। आज भी ऐसे सांसदों की कमी नहीं है, जो सदन में जनता से जुड़े मुद्दे उठाना चाहते हैं। लेकिन बार-बार होने वाले हंगामों के चलते मजबूर हैं। **हंगामा ही धर्म :** हंगामों के लिए कौन दोषी है, इस पर अलग राय हो सकती है, लेकिन इस बात से इनकार करना मुश्किल है कि संसद और विधानसभाओं की बैठकों में हंगामा ही सबसे बड़ा धर्म बनता जा रहा है। एक पुरानी घटना याद आ रही है। उत्तर प्रदेश विधानसभा की बैठक हंगामे के बाद स्थिरत हो गई थी। कम्युनिस्ट पार्टी के टिकट पर लगातार नौ बार विधायक चुने जा चुके उदल और समाजवादी विधायक रवींद्र नाथ तिवारी चिंतित मुद्रा में एक कक्ष में बैठे थे। हाथ में उन प्रश्नों का बंडल था जो उस दिन विधानसभा की बैठक में पूछे जाने थे। जब दोनों विधायकों से पूछा कि आप लोग बहुत चिंतित मुद्रा में बैठे हैं तो रवींद्र नाथ तिवारी बोले कि आज कई सवाल लगे हैं लेकिन अब हंगामा हो गया है। इसलिए किसी भी प्रश्न के संबंध में पूछने का मौका नहीं मिलेगा। कई बजहों से ऐसे सदस्यों की पीड़ा बढ़ रही है। आज भी बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि प्रश्नों की तैयारी करते हैं। लेकिन हवा ऐसी बदली कि सदन की बैठकों में उन लोगों का बोलबाला हो गया जिन्हें न तो संसदीय परंपराओं की जानकारी है, न जनता के दुख-दर्द से खास मतलब। जनहित के मुद्दों की बारीकी उनके लिए खास मायने नहीं रखती।

वोंकों का प्रथम लक्ष्य है। लाहंगामा अखबारों की निर्माणी मुद्रे किनारे कर दिये भर जाग कर जनहित से भी ब्यां होते हैं। इस बार भी वार हंगामे की भेट चढ़ कि यह वही संसद है लोहिया, अटल बिहारी वप्प, सोमनाथ चटर्जी, दशेखर, चतुरानन मिश्र, लालकृष्ण आडवाणी, पक्षी दिग्गज लंबी-लंबी और सत्तापक्ष की ओर से रु, इंदिरा गांधी, के डी म, प्रणब मुखर्जी, वसंत राण जैसे दिग्गज चुटीले और विधान मंडलों की हंगामे का सबसे ज्यादा नो होता है तो वह है पास सदन की बैठक ही धार है। उत्तर प्रदेश में हृदय नारायण दीक्षित भी बार चुनाव जीत कर में पुलिस अत्याचार का। उसी दिन जब शाम को थे तो देखा कि उस गांव के बड़ा है। उन्होंने पूछा तो जाता कि आपने सदन में विस्तारित उन्हें आना पड़ा। जी नहीं है। सदन में आए दिन उनसे होने वाले नुकसान जो जा सकता है। हंगामा के सदन के अंदर किसी में वाद-विवाद बढ़ जाए क्रिया का ही एक अंग लेकिन जब राजनीतिक और विधायकों से नारे लिखवाये जाएं, बैनर बनवाये जाएं तो इसे सदन की गरिमा और अहमियत बढ़ाने वाली प्रक्रिया नहीं कहा जा सकता। संसद की बैठक चलाने की जिम्मेदारी सरकार और विपक्ष दोनों की होती है लेकिन सरकार की ज्यादा होती है। फिर भी, विपक्ष के लिए जरूरी है कि संसद में अपने मुद्रे उठाने का अपना अधिकार हाथ से जाने न दें। संसद और विधानसभाओं में प्रश्नकाल के दौरान अनेक वाले सवालों के जवाब देने के लिए मंत्रियों को तैयारी करनी पड़ती है। प्रश्न में उठाई गई समस्या को हल करवाना पड़ता है। हंगामा होने पर मंत्री अपनी फाइल लेकर मुस्कुराते हुए सदन से बाहर निकल जाते हैं और वे सदस्य ठगे से महसूस करते हैं, जिनके सवाल लगे होते हैं। गुस्सा दिखाने की गुंजाइश इस संबंध में अवस्थाके दलील दी जाती है कि हंगामा भी तो जनहित के कारण हो रहा है। लेकिन याद रखने की बात है कि संसद और विधानसभाएं चर्चा के लिए बनी हैं। अटल बिहारी वाजपेयी कहा करते थे, 'कुछ सदस्य अपनी कुर्सियों पर कम बैठते हैं और कुएं (वेल) में तत्काल कूद पड़ते हैं। इससे साथें मुद्रों पर चर्चा हो ही नहीं पाती।' वैसेषिक परिस्थितियों में सदन में गर्मा-गर्मी होना जाना न तो अस्वाभाविक है और न ही अलोकतात्त्विक। लेकिन यह सीमित समय के लिए और बहुत जरूरी होने पर ही होना चाहिए। इसी को मुख्य हथियार बना लेने पर चर्चा और संवाद खत्म हो जायेंगे। अब समय आ गया है जो जिसमें असहमति होने पर गुस्सा दिखाने की गुंजाइश हो, लेकिन सदन के कामकाज में बाधा डालने और जनता के हितों के ऊपर अपनी राजनीति चमकाने की इजाजत ना हो। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

■ વૃત્તિ રૂપટા

संपादक के नाम पाठकों की पाती जाम नालियों की ग्राहार्ड द्वे

बी बीसी टेलीविजन पर पिछले दिनों एक पुराने प्रेस देखने-सुनने का अवसर मिला। प्रेस कॉम्फ़रेंस में अतिरिक्त तीन धुरंधर ब्रिटिश पत्रकार और भारा

अंतरराष्ट्रीय मंच से इस प्रकार का कोई साक्षात्कार भारतीय राजनीति के बारे में नहीं हुआ था। यह एक अद्वितीय घटना थी।

नेता नाजद उठवो लगे की द्वाया तो सास कर था रंत नहीं के धी की गाल आजादी या दिने द्वाये कुचलना पड़ेगा। उसी वर्ष दिसंबर में उन्होंने कहा था- ब्रिटिश राष्ट्र का हिंदुस्तान की आजादी और प्रगति पर से नियंत्रण हटाने का कोई इरादा नहीं है। बादशाह के ताज के सबसे ज्यादा कीमती और सबसे ज्यादा चमकीले उस हरी को फेंक देने का हमारा कर्तव्य कोई इरादा नहीं है, जो अकेला ही सब डोमिनियनों और अधिकृत प्रदेशों के मुकाबले ब्रिटिश साम्राज्य की ताकत और शान को कायम रखता है। तब तक अलग-अलग दिशाओं में गांधीजी का असर जन-मन में समा गया था। लेकिन, यह अहिंसा का उम्रूल या आर्थिक विचारधारा की वजह नहीं थी कि वह हिंदुस्तान के सबसे बड़े और प्रमुख नेता हो गये थे। हिंदुस्तान की बहुत बड़ी आजादी के लिए वह हिंदुस्तान के आजाद होने के पक्के इरादे के, उसकी प्रबल राष्ट्रीयता के, अक्खड़पन के आगे सिर न झुकाने के और राष्ट्रीय अपमान से मिली हुई किसी चीज के लिए राजी न होने के प्रतीक बन गये थे। सेकड़ों मामलों में बहुत से लोग उनसे सहमत नहीं थे। वे उनकी आलोचना करते थे और किसी खास सवाल पर उनसे अलग राह अखियार कर लेते थे, लेकिन जब लड़ाई का वक्त आता था और हिंदुस्तान की आजादी का दांव लगा होता था तो लोग उनके पास दौड़कर आते थे और उन्हें अपना ऐसा नेता मानते थे, जिसके बिना कुछ हो ही नहीं सकता।

■ निश्चिकात ठाकुर

बताने नहीं

पं. नेहरू वायरल, लोग टेलीप्रॉम्प्टर का नाम लेकर पौएम मादी को मारा थे वे थे-
ती हाडशन रेन एडिटर यम क्लार्क जस प्रकार ता था कि अपरिप्रेक्ष्य में नाना सटीक ता था कि रहा था। नमंत्री का थाथा कोई ल होकर ल इसकी अपने आया करूँ कि ताना पं. नेहरू के उद्घट्ट ज्ञान का पता तब चलता है जब लिखी कई पुस्तकों के अतिरिक्त डिस्कवरी ऑफ इंडिया को इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को सुनने-देखने के बाद जब पुस्तक को प्राप्तना पड़ा कि उनके बारे में दुष्प्राचारित की जा रही बातें बताता है। यह ठीक है कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी से हम जिस आजाद हुए थे उसके बाद तो किसी का यह सोचना लाजिर कि भारत एक अत्यन्त पिछड़ा और सैकड़ों वर्षों की गुलामी से मुक्त हुआ देश है। उसके राजनेताओं की वह सोच हो है कि सकती, जो दूसरे देशों के नेताओं की हो सकती है। ब्रिटेन प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल हिंदुस्तान की आजादी के कद्रुप थे विंस्टन चर्चिल ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री बने थे। हिंदुस्तान आजादी के सिलसिले में उनके बिल्कुल निश्चित और स्पष्ट थे। जिसे वह कई बार दोहरा भी चुके थे। हिंदुस्तान की ३५ वर्षों के वह कद्रुप विरोधी थे। उसके लिए किसी तरह झूकने वाले समझौता करने के लिए तैयार नहीं थे। जनवरी 1937 में कहा था- कभी-न-कभी तुम्हें गांधी, कांग्रेस और उनके आदा-

तो उस पैसे
नगर शहर
का मुख्य
बोतलों का
सके कारण
दाय सामग्री
बोतल व
एन नालिया
रहा है। यह
रनवाली है
में गदंगी
मैं आपके
लोगों से
नहीं फेंके।

दिनीनगर।

रही है। भ्रष्ट लोगों ने उसे कमाने का जरिया बना लिया है। कई तो उस पैसे शौचालय बनाकर अन्य कामों उसका उपयोग कर रहे हैं। मेदिनीनगर शहर में भी धनी आबादी वाले में मुहल्लों में नालियां जाम हैं। जाम होने का मुख्य कारण उन नालियों में भारी मात्रा में पॉलिथीन व प्लास्टिक की बोतलों का फेका जाना है। यह दोनों ही चीजें न गलती हैं ना ही सड़ती हैं, जिसके कारण नालिया जाम हो जाती है। अगर नाली सड़ी सब्जी या अन्य खाद्य सामग्री डालते हैं तो वह सड़ गल जाती है, लेकिन पॉलिथीन व प्लास्टिक बोतल व अन्य कुरकुरे व चिप्स के पैकेट सड़ते -गलते नहीं जिसके कारण नालिया जाम रहती हैं। वहीं शहर की कई बड़ी नालियों में काफी कूड़ा रहा है। यह कूड़े बरसात आने पर ही वहां से बहते हैं। यह बात भी गौर करनेवाली है कि जबसे प्लास्टिक व पॉलिथीन का प्रचलन हुआ है नालियों में गंदगी बढ़ी है। कागज के उपयोग से इतनी गंदगी नहीं हुआ करती थी। मैं आपके लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र राष्ट्रीय नवीन मेल के माध्यम से लोगों द्वारा आग्रह करता हूं कि नालियों में पॉलिथीन व प्लास्टिक की बोतलें नहीं फेंके जाएं।

■ ज्ञान कुमार मेदिनीनगर

स्थाथ रहना है तो गेहूं के चौकट को फेंके नहीं



गेहूं का चौकट कब्ज दूर करने में अद्वितीय प्राकृतिक औषध साथ इसका सेवन करने से निमलिखित लाभ प्राप्त होते हैं। जैसे-

- मल को सुखे नहीं देता

• आंतों में जाकर उत्तेजना पैदा नहीं करता अपेक्षु गुदगुदी पैदा करता है जो कि प्राकृतिक नियम है। आप पशुओं का मल निकलते देखिये तब मालूम पड़ेगा कि वे मल निकालते समय कैसा व्यवहार करते हैं आंतों में गुदगुदाहट पैदा होने से शरीर की स्थिति ऐसी होती है।

• इससे मल पालन नहीं अपेक्षु मुलायम तथा बंधा हुआ आत है आंतों में भरोड़ पैदा नहीं होती। मल बिना जोर लगाये आसानी से निकल जाता है। जोर लगा कर मल निकालने से नाड़ी कमज़ोर हो जाती है तथा शक्ति न रहना, वायु भरना, बावसीर, कांच निकलना इत्यादि रोग होने का डर रहता है।

• यह देखने में खुरदरा है परंतु चबाते समय मुंह की लार से मुलायम हो जाता है। चूंकि यह मुंह की लार को काफी मात्रा में संपर्ण लेता है अतः भोजन के पचने में सहायता करता है।

• चौकट हाँ दृष्टि से अच्छा है। भोजन में से गुणकारी चौकट को निकाल कर हम शरीर के साथ अन्याय करते हैं। चौकट किनाले हुए आंतों की रोटियां स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं वे सुपाच्च नहीं हैं।

• चौकट से शरीर पवित्र रहता है। यह पेट के अंदर का मल झाड़ बुझाकर पेट को साफ कर देता है। पेट साफ रहने से कई बीमारी नहीं होती।

• भोजन में चौकट को प्रधानता दें। इसको आटे में मिलाइये। सजी दूध, दही सलाद शहद में मिलाकर खाइये गुड़ में मिलाकर लड्डू बनायें।

इस प्रकार भोजन का आनंद लें



• यह कैंसर से दूर रखता है तथा आंतों की सुरक्षा करता है, आमाशय के घाव को ठीक करता है।

• मोटापा घटाने के लिए चौकट निरापद औषधि है क्योंकि भोजन में कमी करने की आवश्यकता नहीं

करता है, आमाशय के घाव को ठीक करता है।

• यह गेहूं का लाभ रोग से बचाता है।

मलाशय कैंसर नहीं होता है।

